प्रेसविज्ञप्ति

"विश्वओजोनदिवस ''समारोह -16 सितंबर 2020

हिन्दी चेतना मास के दौरान विश्व ओजोन दिवस के उपलक्श पर पर्यावरण विज्ञान एवंजलवायु-समुत्थानशील कृषि केंद्र , भा. कृ. अ. प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा बुधवार 16 सितंबर, 2020 को आभासीमोड (ज़ूम) पर आमंत्रित वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत में डॉ. भूपेन्द्र सिंह, अध्यक्ष, पर्यावरण विज्ञान एवं जलवायु-समुत्थानशील कृषि केंद्र ने आमंत्रित वक्ता (डॉ. मधुलिका अग्रवाल), अध्यक्ष महोदय डॉ. ए. के. सिंह, निदेशक, भा.कृ.अ.प. - भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, मुख्य अथितिगण, वैज्ञानिकगण, वक्ताओं और श्रोताओ का कार्यक्रम में स्वागत किया । उन्होंने

संस्थान के भूतपूर्व निदेशक डॉ एस के. सिन्हा के पर्यावरण विज्ञान से जुडी शोध को बढ़ावा देने के प्रयासो के बारे में बताया और संभाग मे पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर प्रकाश डाला। ततपश्चात श्री केशव देव, उपनिदेशक (राजभाषा), राजभाषा हिन्दी अधिकारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए संस्थान की तरफ से हिंदी मे शोध प्रत्रिकाओ के प्रकाशन को बढ़ाने का भी सुझाव दिया। उन्होंने संस्थान मे हिंदी चेतनामास मे चल रही गतिविधियो के बारे मे विस्तार से बताया।

डॉ. आरती भाटिया, प्रधान वैज्ञानिक ने आमंत्रित वक्ता डॉ. मधुलिका अग्रवाल, प्राध्यापक, वनस्पति विज्ञान संभाग, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय , वाराणसी का परिचय दिया और श्रोताओ को पर्यावरण विज्ञान के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियों के बारे में बताया। डॉ. मधुलिका अग्रवाल ने ओजोनपरत क्षरण: वर्तमान स्थिति एवं भविष्य की चुनौतियॉ के बारे में अपने विचार रखते हुऐ पर्यावरण के विषय में कई महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी। उन्होंने वार्ता मे ओजोनगैस, ओजोनपरत, ओजोनहोल, ओजोन परतक्षरण, क्षोभमंडल में ओजोन की मात्रा के बढ़ने से होने वाले दुष्प्रभावों आदि विषयो पर विस्तार से चर्चा की।

उन्होंने बताया कि इस वर्ष का ओजोन दिवस और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस वर्ष मोंटेरिअल प्रोटोकॉल के 35 वर्ष पुरे हो रहे है और ओजोन परत के क्षरण को रोकने की सफलता के लिए UNEP ने इस वर्ष के ओज़ोन दिवस को "Ozone for life: 35 years Ozone layer protection" के नाम से माना रहा है। देश के विभिन्न भागों के अलग अलग क्षेत्र मे ओजोन की मात्रा की विस्तार से जानकारी दी और फसल की पैदवार पर इस कारण होने वाले प्रभावों के बारे में भी बताया। निदेशक महोदय डॉ. ए. के. सिंह ने अपने संबोधन में संभाग द्वारा आयोजित किये गए कार्यक्रम की सराहना की और डॉ. मधुलिका अग्रवाल को धन्यवाद दिया। डॉ. एस. नरेश कुमार, प्राध्यापक, पर्यावरण विज्ञान एवं जलवायु-समुत्थानशील कृषि केंद्र ने सभी अथितिगण, निदेशक महोदय, वैज्ञानिकगण, वक्ताओं और श्रोताओ को धन्यवाद दिया।